

(b) if so, what are the reasons for such large scale pulling of alarm chains ; and

(c) the steps taken to prosecute the offenders ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) Yes, Sir. During the six months period from January 1969 to June 1969 there were 26 cases of alarm chain pulling at Talegaon on local trains.

(b) The industrial workers travelling on these local trains resort to frequent alarm chain pulling to focus attention to their demands for introduction of additional trains, punctual running of existing trains, declaration of the Poona-Lonavala section as a 'Suburban' section etc.

(c) It has not been found possible to control this situation about alarm chain pulling as identification of the persons pulling the alarm chain is thwarted by the non-cooperation of passengers travelling on the trains. Further the intervention of railway staff leads to violence on the part of the industrial workers. Frequent requests are however made to State Police authorities for help in controlling the situation.

समस्तीपुर में पूर्वोत्तर रेलवे के डिब्बजनल कार्यालय भवन के निर्माण के लिये भूमि की खरीद

श्री क० मि० मधुकर : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि समस्तीपुर में पूर्वोत्तर रेलवे के डिब्बजनल कार्यालय के भवन के निर्माण के लिये किन-किन व्यक्तियों की भूमि खरीदने का प्रस्ताव है, और वे भूमि किन दरों पर खरीदी जायेगी ?

रेल मंत्री (डा० राम सुमन सिंह) : मण्डल योजना के सम्बन्ध में समस्तीपुर में कार्यालय और क्वार्टरों का निर्माण रेलवे की मौजूदा भूमि पर किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण करने का प्रश्न नहीं उठता।

Deraillments, Delays and Mishaps on Kiul-Jamalpur Section (Eastern Rly.)

*344. **SHRI MADHU LIMAYE :** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether he has received any report about the derailments, delays and mishaps on the Kiul-Jamalpur section of the Eastern Railway arising out of the faulty construction work by the contractor in regard to a small bridge ;

(b) whether any inquiry has been ordered into these avoidable minor accidents, delays and harassments to passengers ; and

(c) if so, the results thereof ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) There has been one case of derailment of two wagons of a Goods train between Dhanauri and Kiul stations on the Kiul-Jamalpur section on 27.2.1969. The accident, however, did not arise out of faulty construction work by Contractor in regard to any small bridge. Some passenger trains suffered delays on account of this derailments.

(b) and (c) This accident was inquired into by a committee of Senior Scale Officers. According to their finding the derailment was due to the combined effect of defects in the wagons and on the newly laid and temporary diversion track.

There have been no other cases of minor accidents, delays and harassments to passengers in the recent month.

Portland Cement

*346. **SHRI MUHAMMAD SHERIFF :** Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Central Road Research Institute has recommended clear-cut classification of Portland cement into two grades according to their strength characteristics ;

(b) whether the Cemet Manufacturers

Association has favoured the proposal ; and

(c) the reaction of Government in this regard ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) Yes, Sir,

(b) No, Sir,

(c) The grading of ordinary Portland cement on the basis of strength is under consideration of the Indian Standard Institution. Government would take a decision after receiving the recommendation from the Indian Standards Institution.

कागज का मूल्य

- *347. श्री शारदा मन्व
श्री श्रींकार सिंह
श्री रामसिंह अयरबाल

क्या औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा सवसाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष कागज के मूल्य में कितनी वृद्धि हुई और इसके क्या कारण थे ;

(ख) कागज के मूल्य में वृद्धि की अनुमति सरकार ने किन आधारों पर दी ;

(ग) क्या सरकार इसका मूल्य कम करने के लिये कागज निर्माताओं से आग्रह करेगी ; और

(घ) यदि नहीं ; तो इसके क्या कारण हैं ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा सवसाय कार्य मंत्री (श्रीकलकट्टीन अली अहमद) : (क) कागज के मूल्यों पर से 3-5-1968 को नियंत्रण हटा लेने के सुरम्त बाद ही कागज उद्योग ने 250 रु०

प्रति मी० टन के हिसाब से मूल्यों में इसलिए वृद्धि की कि उत्पादन लागत काफी बढ़ गई है । अतः फलस्वरूप, इसी आधार पर कागज के अनुसार अप्रैल, 1969 में उद्योग ने पुनः 95 रु० से 150 रु० प्रति मी० टन तक मूल्यों में वृद्धि की ।

(ख) उद्योग ने मूल्यों में वृद्धि करने से पहले सरकार से परामर्श नहीं किया ।

(ग) तथा (घ) : मूल्य में वृद्धि किए जाने के मामले में कार्रवाई आने के बारे में सरकार विचार कर रही है ।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित कोटे में संगञ्चल कर्मचारियों की पदोन्नति

*348. श्री मोलहू प्रसाद : क्या रेलवे मंत्री 18 मार्च, 1969 के अतारक्षित प्रश्न संख्या 3440 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने का कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर रेलवे तथा अन्य जोनल रेलों में रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या ई (एस० सी० टी०) । 68 सी० एम० 15/10 दिनांक 27 अगस्त, 1968 के उपबन्धों के अधीन अनुसूचित आदिम जातियों के आरक्षित कोटे में कर्मचारियों की पदोन्नति की गई है ;

(ख) यदि हाँ, तो उसका जोनवार ब्योरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

रेलवे मंत्री (डा० राम सुमन सिंह) : (क) से (ग) जिन रेलों पर रेलवे बोर्ड के 27 अगस्त, 1968 के पत्र के जारी होने के बाद रनिंग कर्मचारियों की कोटि में चुनाव हुए हैं, वहाँ पदोन्नति इस पत्र के उपबन्धों के अनुसार की गयी है । इसके क्षेत्रवार ब्योरे सलग्न अनुबन्ध में दिये गये हैं ।